अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय "मैत्रेयी पुष्पा के व्यक्तित्व और साहित्य का परिचय"		
१	१.१ जीवन और व्यक्तित्व १.१.१ जन्म १.१.२ बचपन एवं परिवार १.१.३ शिक्षा १.१.४ वैवाहिक जीवन १.१.५.१ व्यक्तित्व की विशेषताएँ – १.१.५.२ मानवता के प्रति प्रतिबद्ध् १.१.५.३ माँ के प्रेम की प्यासी १.१.५.४ शौक १.१.५.५ साहसी १.१.५.६ स्नेह की भूखी १.१.५.७ विवाह की अभिलाषी १.१.५.८ दबंग औरत १.१.५.९ अभावयुक्त और अकेलेपन के पीडा से युक्त १.१.५.१० अख्खड़पन १.१.५.११ नारी की प्रबल पक्षधर १.१.५.१२ विद्रोही	१ ते २३

	१.१.५.१३ स्त्री – पुरूष की समतावादी १.१.५.१४ अभिनयकुशल १.१.५.१५ स्वाभिमानी ▪ निष्कर्ष १.१.६ साहित्यिक परिचय १.१.६.१ उपन्यास १.१.६.२ कहानी १.१.६.३ आत्मकथा १.१.६.४ पुरस्कार ▪ निष्कर्ष	
द्वितिय अध्याय :– "मैत्रेयी पुष्पा के 'चाक' और 'अगनपाखी' उपन्यासों का विषयगत विवेचन"		
२	२.१ प्रास्ताविक २.१.१ 'चाक' उपन्यास की कथावस्तु ▪ निष्कर्ष २.२ प्रास्ताविक २.२.१ 'अगनपाखी' उपन्यास की कथावस्तु ▪ निष्कर्ष	२३ ते ४५

तृतीय अध्याय :— "मैत्रेयी पुष्पा के 'चाक' और 'अगनपाखी' उपन्यास कें नारी पात्र"		
३	३.१ ग्रामीण नारी पात्र	४६ — ९५
	३.१.१ अंधविश्वासी ग्रामीण नारी	
	३.१.२ रूढ़िपरंपरा के घेरे में ग्रस्त नारी	
	३.१.३ अशिक्षित नारी	
	३.१.४ शिक्षित नारी	
	३.२ विद्रोही नारीपात्र	
	३.३ आधुनिक नारीपात्र	
	३.४ परंपरागत नारीपात्र	
	३.४.१ विवाह को स्वीकृत करनेवाली	
	३.४.२ माँ के रूप में परंपरागत नारी	
	३.४.३ पत्नी के रूप में परंपरागत नारी	
	३.४.४ सास के रूप में परंपरागत नारी	
	३.५ अनपढ़ नारीपात्र	
	३.५.१ सास के रूप में अनपढ़ नारी	
	३.५.२ बहू के रूप में अनपढ़ नारी	
	३.५.१ माँ के रूप में अनपढ़ नारी	
	३.६ क्रांतिकारी नारी पात्र	
	३.६.१ सारंग	
	३.६.२ भुवन	
	■ निष्कर्ष	

चतुर्थ अध्याय :— "मैत्रेयी पुष्पा के 'चाक' और 'अगनपाखी' उपन्यास में प्रतिबिंबित नारी के रूप।"		
४	४.१ माँ ४.२ बेटी ४.३ पत्नी ४.४ सास ४.५ बहू ४.६ भाभी ४.७ बहन ■ निष्कर्ष	९६ — १२०
पंचम अध्याय :— "मैत्रेयी पुष्पा के 'चाक' और 'अगनपाखी' उपन्यास में प्रतिबिंबित नारी —विमर्श"		
५	५.१ प्रास्ताविक ५.२ नारी का वैधव्य जीवन ५.३ नारी के प्रति सामाजिक हिंसा ५.४ नारी के प्रति व्यभिचार ५.५ नारी हत्या तथा भ्रूण —हत्या ५.६ अनमेल विवाह की समस्या ५.७ नारी का पारिवारिक शोषण ५.८ नारी दमन ५.९ नारी का अस्वस्थ दांपत्य जीवन ५.१० नारी की अस्मिता ५.११ नारी चेतना ५.१२ नारी की आत्मनिर्भरता ■ निष्कर्ष	१२१—१६२

६	➢ उपसंहार ➢ संदर्भग्रंथ सूची आधार ग्रंथ संदर्भ ग्रंथ कोष ग्रंथ पत्र—पत्रिकाएँ	